साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना

ईयै रे काया में आना नंही जाना ।
नंही कोई धुम मचाना ॥
साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना.....

ईयै रे काया में जीणा नही मरणा ।
नंही कोई भेद बताना ॥
साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना.....

ईयै रे काया में झुठा लोग बसता।
झुठो नेसंग नांय बसाणा ॥
साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना.....

ईयै रे काया में रोगी है घणेरा ।
रोगीडो रे साथ नहीं रहाणा ॥
साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना.....

कहत मदन सुणो मेरे भाई।
हरि से ना हैत हटाणा ॥
साँवरिया मैं तो घर बार छोड ही जाना.....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/23199/title/sanwariya-main-to-ghar-baar-chod-hi-jana

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |